अण्डमान निकोबार द्वीप समाचार

रजि.न.34300/80 | संख्या 53 | श्री विजय पुरम, सोमवार, 23 फ़रवरी 2026 | web: dt.andamannicobar.gov.in | 2.00 रूपए

मन की बात: प्रधानमंत्री ने कहा कि एआई इम्पैक्ट समिट भविष्य में एआई की शक्ति का उपयोग करने की दिशा में विश्व के लिए एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित हुआ

नई दिल्ली, 22 फरवरी।

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि इंडिया एआई इम्पैक्ट सम्मेलन सम्मेलन भविष्य में विश्व स्तर पर एआई की शक्ति के उपयोग की दिशा में महत्वपूर्ण पड़ाव साबित हुआ है। आकाशवाणी से मन की बात कार्यक्रम में प्रधानमंत्री ने बताया कि इस सम्मेलन के लिए नई दिल्ली के भारत मंडपम में कई देशों के नेता, उद्योगपति, नवप्रवर्तक और स्टार्टअप क्षेत्र से जुड़े लोग एकत्र हुए। उन्होंने कहा कि उन्हें विश्व नेताओं और तकनीकी मुख्य कार्यकारी अधिकारियों से मिलने का अवसर मिला। श्री मोदी ने कहा कि उन्होंने इंडिया एआई प्रदर्शनी में विश्व नेताओं को कई वस्तुएं दिखाईं। उन्होंने बताया कि विशेष रूप से प्रदर्शनी के दौरान अमूल बूथ और सुश्रुत संहिता ने विश्व नेताओं को बहुत प्रभावित किया। इसमें बताया गया कि एआई किस प्रकार पशुओं के उपचार में सहायता कर रहा है और किसान चौबीसों घण्टे और सातों दिन एआई की मदद से अपने डेयरी फार्म और पशुओं पर कैसे नजर रख रहे हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा विश्व भर के नेता यह देखकर आश्चर्यचकित हुए कि भारत आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस यानी यांत्रिक मेधा की सहायता से प्राचीन ग्रंथों, ज्ञान और पांडुलिपियों का संरक्षण कर रहा है। उन्होंने विस्तार से बताया कि प्रदर्शनी के दौरान सुश्रुत संहिता को प्रदर्शित करने के लिए चुना गया था। पहले चरण में, यह दिखाया गया कि भारत प्रौद्योगिकी की सहायता से पांडुलिपियों की छवि की गुणवत्ता में सुधार कर उन्हें पठनीय बना रहा है। दूसरे चरण में, इस छवि को मशीन से पठन योग्य बनाया गया। अगले चरण में, मशीन से पठनीय पाठ को एक एआई अवतार द्वारा पढ़ा गया। प्रधानमंत्री ने कहा कि अंतिम चरण में, यह प्रदर्शित किया गया कि इस अमूल्य भारतीय ज्ञान का भारतीय और विदेशी भाषाओं में अनुवाद किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि विश्व के नेताओं ने आधुनिक अवतार के माध्यम से भारत के प्राचीन ज्ञान के बारे में जानने में गहरी रुचि दिखाई।

प्रधानमंत्री ने कहा कि शिखर सम्मेलन में विश्व को एआई के क्षेत्र में भारत की अद्भुत क्षमताओं को देखने का अवसर मिला। इस दौरान, भारत ने तीन मेड इन इंडिया एआई मॉडल भी शुरू किए। प्रधानमंत्री ने शिखर सम्मेलन को अब तक का सबसे बड़ा एआई शिखर सम्मेलन बताया। उन्होंने इस शिखर सम्मेलन की सफलता के लिए सभी नागरिकों को बधाई दी।

वर्तमान टी–20 क्रिकेट विश्व कप के बारे में प्रधानमंत्री ने कहा कि इस चैंपियनशिप में भारतीय मूल के कई खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि कनाडा की टीम में भारतीय मूल के खिलाड़ियों की संख्या सर्वाधिक है। टीम के कप्तान दिलप्रीत बाजवा का जन्म पंजाब के गुरदासपुर में हुआ था। नवनीत धालीवाल चंडीगढ़ से हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि इस सूची में हर्ष ठाकर और श्रेयस मोवा जैसे कई नाम शामिल हैं, जो कनाडा के साथ भारत का भी गौरव बढ़ा रहे हैं। श्री मोदी ने कहा कि अमरीकी टीम में कई भारतीय मूल के खिलाड़ी हैं। अमरीकी टीम के कप्तान मोनांक पटेल गुजरात की अंडर–16 और अंडर–18 टीमों के लिए खेल चुके हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि मुंबई के सौरभ, दिल्ली के हरमीत सिंह और मिलिंद कुमार अमरीकी टीम का गौरव हैं। उन्होंने कहा कि ओमान की टीम के कई खिलाड़ी भारत के विभिन्न राज्यों के

लिए खेल चुके हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि जतिंदर सिंह, विनायक शुक्ला, करण, जय और आशीष ओमान क्रिकेट को जोड़ने वाली मजबूत कड़ियाँ हैं। भारतीय मूल के खिलाड़ी न्यूजीलैंड, संयुक्त अरब अमीरात और इटली की टीमों में भी अपनी जगह पक्की कर रहे हैं।

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि भारतीय मूल के ऐसे अनगिनत खिलाड़ी हैं जो अपने–अपने देशों का नाम रोशन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय जहां भी जाते हैं, अपनी मातृभूमि से जुड़े रहकर उस देश के विकास में योगदान देते हैं। प्रधानमंत्री ने केरल की एक छोटी बच्ची, आलिन शेरिन अब्राहम के बारे में बात की। आलिन ने केवल दस महीने की उम्र में अपनी जान गंवा दी। उन्होंने आलिन के पिता अरुण अब्राहम और माता शेरिन के आलिन के अंगदान करने के फैसले की प्रशंसा की। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि यह एक फैसला उनकी दूरदृष्टि और व्यक्तित्व की महानता दर्शाता है। उन्होंने कहा कि आजकल भारत में अंगदान के प्रति जागरूकता लगातार बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि इससे जरूरतमंदों को सहायता मिल रही है और देश में चिकित्सा अनुसंधान को भी मजबूती मिल रही है। प्रधानमंत्री ने दिल्ली की लक्ष्मी देवी का उदाहरण भी दिया। उन्होंने पिछले वर्ष केदारनाथ की यात्रा की थी। हृदय प्रत्यारोपण के बाद उन्होंने 14 किलोमीटर की पैदल यात्रा की।

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने बताया कि जब लक्ष्मी देवी को एक मृत दाता का हृदय मिला, तब उनका हृदय केवल 15 प्रतिशत ही काम कर रहा था। उन्होंने पश्चिम बंगाल के गौरांग बनर्जी का भी उदाहरण दिया, जो दो बार नाथू ला जा चुके हैं। उन्होंने फेफड़े के प्रत्यारोपण के बाद यह उपलब्धि हासिल की। श्री मोदी ने किडनी प्रत्यारोपण के बाद खेल गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले राजस्थान के सीकर के रामदेव सिंह का जिक्र किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि एक नेक काम अनगिनत लोगों का जीवन बदल सकता है। उन्होंने ऐसे नेक काम करने वाले सभी लोगों की प्रशंसा की।

राष्ट्रपति भवन में कल राजगोपालाचारी उत्सव मनाया जाएगा। प्रधानमंत्री ने बताया कि इस अवसर पर राष्ट्रपति भवन के केंद्रीय प्रांगण में सी. राजगोपालाचारी की प्रतिमा का अनावरण किया जाएगा। सी. राजगोपालाचारी स्वतंत्र भारत के पहले गवर्नर जनरल थे। श्री मोदी ने उनकी प्रशंसा करते हुए कहा कि वे उन लोगों में से थे जिन्होंने सत्ता को पद नहीं बल्कि सेवा के रूप में देखा। उन्होंने इसे दुर्भाग्यपूर्ण बताया कि स्वतंत्रता के बाद भी ब्रिटिश प्रशासकों की प्रतिमाएं राष्ट्रपति भवन में रहने दी गईं और भारत के महानतम सपूतों को स्थान नहीं दिया गया। उन्होंने कहा राष्ट्रपति भवन में ब्रिटिश वास्तुकार एडविन लुटियंस की भी प्रतिमा थी। प्रधानमंत्री ने कहा कि अब इस प्रतिमा के स्थान पर सी. राजगोपालाचारी की प्रतिमा स्थापित की जाएगी। राजगोपालाचारी उत्सव के दौरान 24 फरवरी से पहली मार्च तक सी. राजगोपालाचारी पर एक प्रदर्शनी भी आयोजित की जाएगी। उन्होंने देशवासियों से इस प्रदर्शनी का अवलोकन करने का भी आग्र किया।

प्रधानमंत्री ने डिजिटल अरेस्ट के बारे में कहा कि 'मन की बात' में डिजिटल अरेस्ट और डिजिटल धोखाधड़ी पर उनके भाषण के बाद समाज में इस दिशा में काफी जागरूकता आई है। उन्होंने ऐसी घटनाएं अब भी होने पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि ये घटनाएं अक्षम्य हैं। उन्होंने कहा कि डिजिटल अरेस्ट और वित्तीय धोखाधड़ी से निर्दोष लोगों को निशाना बनाया जा रहा है। उन्होंने श्रोताओं को आगाह किया कि अपराधी फर्जी कॉल करते हैं, एसएमएस और लिंक भेजते हैं। श्री मोदी ने सभी से सतर्क रहने और ऐसे धोखेबाजों के झांसे में न आने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि केवाईसी या री–केवाईसी केवल बैंक शाखा, आधिकारिक ऐप और अधिकृत माध्यम से ही कराई जानी चाहिए। श्री मोदी ने

शेष पृष्ठ 4 पर

पुलिस की पीईटी एवं ब्रास बैंड टीम ने पुस्तक मेले में सामाजिक जागरूकता एवं देशभक्ति का संदेश दिया

श्री विजय पुरम, 22 फरवरी

अण्डमान तथा निकोबार पुलिस की पुलिस एंटरटेनमेंट टीम (पीईटी) तथा ब्रास बैंड ने 14 से 22 फरवरी, 2026 तक प्रदर्शनी मैदान, श्री विजय पुरम में आयोजित अण्डमान तथा निकोबार पुस्तक मेला–2026 में सक्रिय सहभागिता निभाई। इस कार्यक्रम का आयोजन कला एवं संस्कृति विभाग, अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन द्वारा जनसामान्य में पठन–पाठन संस्कृति एवं साहित्यिक अभिरुचि को बढ़ावा देने के उद्देश्य से किया गया था।

उत्सव के दौरान पीईटी एवं ब्रास बैंड टीम ने देशभक्ति संगीत प्रस्तुतियों के साथ–साथ सामाजिक सरोकारों पर आधारित विभिन्न सांस्कृतिक एवं जागरूकता कार्यक्रम प्रस्तुत किए। प्रभावशाली नुक्कड़ नाटक, लाइव संगीत और संवादात्मक सत्रों के माध्यम से टीम ने सड़क सुरक्षा, मादक पदार्थों के दुरुपयोग, शराब की लत तथा साइबर अपराध जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर जनजागरूकता फैलाई।

कार्यक्रमों में सुरक्षित एवं ज़िम्मेदार वाहन संचालन, यातायात नियमों के पालन तथा सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम पर विशेष ज़ोर दिया गया। साथ ही नशे के दुष्परिणामों–स्वास्थ्य, सामाजिक एवं कानूनी प्रभावों–पर प्रकाश डालते हुए युवाओं को

शेष पृष्ठ 4 पर

ऑलिव रिडले कछुआ का टीटॉप तट, कार निकोबार में पुनरावृत्त घोंसला निर्माण

श्री विजय पुरम, 22 फरवरी

कार निकोबार द्वीप के टीटॉप फिश लैंडिंग सेंटर समुद्र तट से एक महत्वपूर्ण संरक्षण संबंधी विकास सामने आया है, जहां ऑलिव रिडले कछुओं का लगातार कई वर्षों से घोंसला निर्माण दर्ज़ किया गया है। यह दस्तावेज़ीकरण सामुदायिक आधारित अवलोकनों के माध्यम से किया गया है। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, केन्द्रीय द्वीपीय कृषि अनुसंधान संस्थान (आईसीएआर–सीआईएआरआई), श्री विजय पुरम के शोधकर्ताओं तथा स्थानीय निकोबारी जनजातीय मछुआरों द्वारा वर्ष 2023 से प्रारंभिक 2026 तक टीटॉप बीच पर नियमित रूप से घोंसला निर्माण गतिविधियां दर्ज़ की गई हैं। यह कार्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) तथा आईसीएआर–सीआईएआरआई

की संयुक्त पहल के अंतर्गत किया गया। इन अवलोकनों तथा निकोबारी जनजातियों के स्थानीय पारंपरिक पारिस्थितिक ज्ञान से यह संकेत मिलता है कि यह स्थल आकस्मिक घोंसला निर्माण का स्थान न होकर एक स्थायी एवं पुनरावृत्त प्रजनन स्थल के रूप में कार्य कर रहा है। वर्ष 2023 में स्थानीय मछुआरों के समन्वित प्रयासों से 150 से अधिक ऑलिव रिडले शिशु कछुओं (हैचलिंग्स) को सुरक्षित बचाया गया तथा सफलतापूर्वक समुद्र में छोड़ा गया। वर्ष 2024 और 2025 के दौरान घोंसला निर्माण के चिन्ह (ट्रैक मार्क्स) देखे गए, किंतु उन मौसमों में शिशु कछुओं का पता नहीं चल सका। हालांकि, फरवरी, 2026 के प्रारंभ में एक बार पुनः इस समुद्र तट पर ऑलिव रिडले कछुओं का घोंसला निर्माण देखा गया तथा 100 से अधिक शिशु कछुओं का सफलतापूर्वक संरक्षण कर समुद्र में छोड़ा गया, जिससे इस तटीय क्षेत्र के पारिस्थितिक महत्व की पुनः पुष्टि हुई। प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार ऑलिव रिडले कछुआ अपनी सामूहिक घोंसला निर्माण (मास नेस्टिंग) की विशेष प्रवृत्ति के लिए विश्वभर में जाना जाता है। टीटॉप बीच पर इसका बार–बार

शेष पृष्ठ 4 पर

संवाद, सांस्कृतिक अभिव्यक्ति और कलात्मक उत्सव का प्रेरणादायक संगम

अण्डमान निकोबार पुस्तक मेला–2026 का भव्य समापन

द्वीपों में पठन–पाठन संस्कृति को सुदृढ़ करने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित

श्री विजय पुरम, 22 फरवरी

राष्ट्रीय पुस्तक न्यास (एनबीटी) द्वारा कला एवं संस्कृति विभाग, अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन के सहयोग से आयोजित अण्डमान निकोबार पुस्तक मेले के दूसरे संस्करण का आज श्री विजय पुरम स्थित विशाल प्रदर्शनी मैदान में भव्य समापन हुआ। साहित्य, संवाद, संगीत और नृत्य के रंगारंग संगम के साथ आयोजित यह बहुप्रतीक्षित साहित्यिक महोत्सव द्वीपों में पठन–पाठन संस्कृति को सुदृढ़ करने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित हुआ।

पुस्तकों के प्रति गहरी रुचि विकसित करने तथा विशेष रूप से छात्रों और युवाओं के बीच साहित्यिक सहभागिता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित यह मेला बौद्धिक विकास एवं सांस्कृतिक समृद्धि के प्रति अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन की निरंतर प्रतिबद्धता का प्रमाण रहा। प्रशासन द्वारा निरंतर पहल, सहयोग और जनसंपर्क कार्यक्रमों के माध्यम से द्वीपों में एक सशक्त साहित्यिक वातावरण विकसित करने की दिशा में सक्रिय प्रयास किए जा रहे हैं, ताकि युवा पीढ़ी को गुणवत्तापूर्ण पुस्तकों और सार्थक साहित्यिक संवाद का अधिक अवसर मिल सके।

मेले में 33 स्टॉलों के माध्यम से भारत के प्रतिष्ठित प्रकाशकों की लगभग 25,000 पुस्तकों का प्रदर्शन किया गया। विभिन्न विधाओं की पुस्तकों के इस विस्तृत संग्रह ने आगंतुकों को दुर्लभ शीर्षकों से लेकर नवीनतम प्रकाशनों तक एक ही स्थान पर उपलब्ध कराया। विद्यार्थियों, शिक्षकों, अभिभावकों और पुस्तक प्रेमियों की उत्साहपूर्ण भागीदारी ने ज्ञान–विनिमय और पठन के प्रति बढ़ते रुझान को दर्शाया। प्रतिष्ठित प्रकाशकों को द्वीपों तक लाकर प्रशासन ने भौगोलिक दूरी की बाधाओं को कम करते हुए स्थानीय युवाओं के लिए साहित्य तक पहुंच को विस्तृत किया है।

इसी क्रम में चिल्ड्रन्स कॉर्नर के नौवें दिन शहर के विभिन्न विद्यालयों के 200 से अधिक बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर मेले में रंग और उमंग भर दी। हंसी, जिज्ञासा और कहानी–कथन से वातावरण गूंज उठा, जिसने यह सिद्ध किया कि पुस्तकों के प्रति प्रेम बाल मनों में निरंतर विकसित हो रहा है।

साहित्यिक सत्र की शुरुआत एनबीटी द्वारा आयोजित विचारोत्तेजक चर्चा "आइलैंड ऑफ स्टोरीज़: फिल्म निर्माण, स्त्री शक्ति और रोज़मर्रा की ज़िंदगी की कविता" से हुई, जिसमें डॉ. मीना लोंगजाम ने श्री दीप सैकिया के साथ संवाद किया। इसके बाद "बियॉन्ड वन नैरेटिव: सुभाष चंद्र बोस और भारत का स्वतंत्रता संग्राम" विषय पर श्री चंद्रचूड़ घोष और श्री दीप सैकिया के बीच रोचक संवाद ने साहित्यिक वातावरण को और गहराई प्रदान की।

प्रतिदिन की भांति पुलिस बैंड ने सायं कार्यक्रम की शुरुआत मधुर संगीत प्रस्तुति से की, जिसने सांस्कृतिक कार्यक्रमों के लिए उत्साहपूर्ण वातावरण तैयार किया। इसके पश्चात गौरी शंकर डांस अकादमी के कलाकारों द्वारा प्रस्तुत शास्त्रीय नृत्य ने अपनी सटीकता और भावपूर्ण अभिव्यक्ति से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

टैगोर राजकीय शिक्षा महाविद्यालय के छात्रों ने जीवंत लोकनृत्य प्रस्तुत कर द्वीपों की सांस्कृतिक विविधता और युवा ऊर्जा का परिचय दिया। काव्य संध्या में छात्रों एवं स्थानीय कवियों ने अपनी स्वरचित रचनाओं का पाठ किया, जिससे संध्या में भावनात्मक गहराई और चिंतन का रंग जुड़ गया। काव्य पाठ करने वालों में मियास रेनू बाला, श्री के. अब्दुल गफूर, सुश्री अमृता बिस्वास, सुश्री जे. नताशा, श्री शैलेंद्र मीणा, श्री विनोद पीटर, श्री नाग राज तथा सुश्री नीता चंद्र शामिल थे।

कार्यक्रम का समापन लोकप्रिय द्वीपीय संगीत समूह 'कालापानी बैंड' की ऊर्जावान प्रस्तुति के साथ हुआ, जिसने दर्शकों को झूमने पर मजबूर कर दिया।

संवाद, सांस्कृतिक अभिव्यक्ति और कलात्मक उत्सव के प्रेरणादायक संगम के साथ पुस्तक मेले के अंतिम दिन ने एक बार फिर यह सिद्ध किया कि यह आयोजन अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह में रचनात्मकता और सामुदायिक सहभागिता का एक प्रिय मंच बन चुका है।

मन की बातः प्रधानमंत्री ने कहा कि एआई

पृष्ठ 1 का शेष

लोगों से ओटीपी, आधार नंबर या बैंक खाते की जानकारी किसी के साथ साझा न करने का आग्रह किया। उन्होंने लोगों से समय–समय पर अपना पासवर्ड बदलते रहने का भी आग्रह किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारतीय रिज़र्व बैंक ने हाल ही में इन्हीं विषयों पर वित्तीय साक्षरता सप्ताह का आयोजन किया था। यह वित्तीय साक्षरता अभियान पूरे वर्ष जारी रहेगा। श्री मोदी ने लोगों से भारतीय रिज़र्व बैंक के संदेश पर ध्यान देने और अपने केवाईसी पंजीकरण को अपडेट रखने का आग्रह किया। प्रधानमंत्री ने गर्व व्यक्त करते हुए कहा कि भारत में किसान अब न केवल उत्पादन पर बल्कि गुणवत्ता, मूल्यवर्धन और नए बाजारों पर भी ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। उन्होंने ओडिशा के हिरोद पटेल का उदाहरण दिया, जिन्होंने खेती को एक नए दृष्टिकोण से देखना शुरू किया। इस युवा किसान ने अपने खेत के तालाब के ऊपर एक मजबूत जालीदार ढांचा बनाया और उस पर लता वाली सब्जियां उगाईं। उन्होंने तालाब के चारों ओर केले, अमरूद और नारियल के पेड़ लगाए और तालाब में मछली पालन भी शुरू किया। श्री मोदी ने कहा कि इससे भूमि का बेहतर उपयोग, जल की बचत और अतिरिक्त आय हुई है। आज दूर–दूर से किसान उनके इस मॉडल को देखने आते हैं। प्रधानमंत्री ने केरल के त्रिशूर जिले के एक गांव के बारे में बताया, जहां एक ही खेत में चावल की 570 किस्में उगाई जाती हैं। श्री मोदी ने इसे बीज विरासत को संरक्षित करने का एक व्यापक अभियान बताया। उन्होंने कहा कि भारतीय किसानों की मेहनत का फल आंकड़ों में भी झलकता है।

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि आज भारत विश्व का सबसे बड़ा चावल उत्पादक देश बन गया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि 15 करोड़ टन से अधिक चावल का उत्पादन कोई छोटी उपलब्धि नहीं है। उन्होंने कहा कि भारत अपनी आवश्यकताओं को पूरा करने के साथ वैश्विक खाद्य भंडार में भी योगदान दे रहा है। प्रधानमंत्री ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कि कृषि उत्पाद अब हवाई मार्ग से विदेशों तक अधिक आसानी से पहुँच रहे हैं।

कर्नाटक के नंजनगुड केले, मैसूर के पान के पत्ते और भारत के नींबू मॉलदीव को निर्यात किए जा रहे हैं। ये उत्पाद अपने स्वाद और गुणवत्ता के लिए जाने जाते हैं और इन्हें जीआई टैग भी प्राप्त है। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज का किसान गुणवत्ता को प्राथमिकता देता है, मात्रा भी बढ़ा रहा है और अपनी पहचान भी बना रहा है। प्रधानमंत्री ने केरल के तिरुनावया में भरतपुझा नदी के किनारे मनाए जाने वाले सदियों पुराने मामंगम परंपरा के बारे में भी बात की। कई लोग इसे महा माघ महोत्सव या केरल कुंभ भी कहते हैं। श्री मोदी ने कहा कि माघ माह में पवित्र नदी में स्नान करना और उस क्षण को जीवन भर के लिए अविस्मरणीय बनाना ही इस महोत्सव का सार है। उन्होंने कहा कि यह आयोजन लगभग ढाई सौ वर्षों से उसी भव्यता के साथ नहीं मनाया गया है जैसा पहले मनाया जाता था।

प्रधानमंत्री ने प्रसन्नता व्यक्त की कि इस बार केरल कुंभ बिना किसी बड़ी घटना के सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। श्री मोदी ने कहा कि महाकुंभ और केरल कुंभ केवल स्नान के त्यौहार नहीं हैं। उन्होंने इन्हें स्मृति का जागरण और संस्कृति का पुनःस्मरण बताया। उन्होंने कहा कि नदियाँ भले ही अलग हों, लेकिन आस्था की धारा एक ही है और यही भारत है। प्रधानमंत्री ने 24 फरवरी को पूर्व तमिलनाडु मुख्यमंत्री जयललिता की जयंती से पहले उन्हें याद किया। उन्होंने कहा कि राज्य की अपनी यात्राओं के दौरान आज भी उन्हें तमिलनाडु के लोगों का उनके प्रति गहरा स्नेह है।

उन्होंने कहा कि जयललिता का नाम सुनते ही तमिलनाडु के लोगों के चेहरे पर एक अलग ही चमक आ जाती है। उन्होंने बताया कि जयललिता ने माताओं, बहनों और बेटियों के कल्याण के लिए कई सराहनीय प्रयास किए। श्री मोदी ने कहा कि जयललिता ने राज्य में कानून–व्यवस्था बनाए रखने के लिए ठोस कदम भी उठाए।

प्रधानमंत्री ने कहा कि जयललिता ने 2002 और 2012 में गुजरात में उनके दो शपथ ग्रहण समारोहों में भी भाग लिया था। उन्होंने यह भी बताया कि पोंगल के अवसर पर जयललिता ने उन्हें चेन्नई में दोपहर के भोजन पर आमंत्रित किया था और यह स्नेहपूर्ण भाव उनके लिए अविस्मरणीय है। परीक्षा के प्रति सजग विद्यार्थियों के विषय पर प्रधानमंत्री ने आशा व्यक्त की कि विद्यार्थी पूरी लगन से अपनी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हैं और तनाव में नहीं हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को याद दिलाया कि उनका मूल्य उनकी मार्कशीट से निर्धारित नहीं होता।

उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि विद्यार्थी अपनी परीक्षाओं में सफल होंगे और अपने जीवन में सफलता की नई ऊंचाइयों को प्राप्त करेंगे। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने सभी को रमज़ान के पवित्र महीने की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने आगामी होली के त्यौहार की भी शुभकामनाएं दीं। उन्होंने आशा व्यक्त की कि लोग अपने परिवार और प्रियजनों के साथ सभी त्यौहारों को प्रसन्नता से मनाएंगे। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने 'वोकल फॉर लोकल' के मंत्र को भी दोहराया। उन्होंने कहा कि स्वदेशी उत्पादों की खरीदारी देश को आत्मनिर्भर बनाने के अभियान में सहायक है। (स्रोतः ऑन एयर समाचार)

ऑलिव रिडले कछुआ का टीटॉप तट

पृष्ठ 1 का शेष

घोंसला निर्माण निकोबार द्वीपसमूह में इसे एक महत्वपूर्ण सूक्ष्म–घोंसला (माइक्रो–नेस्टिंग) आवास के रूप में स्थापित करता है। घोंसला निर्माण और शिशु कछुओं के नियमित उद्भव के प्रलेखित प्रमाणों को ध्यान में रखते हुए, टीटॉप फिश लैंडिंग सेंटर समुद्र तट को औपचारिक रूप से ऑलिव रिडले घोंसला निर्माण स्थल घोषित किया जाना चाहिए। ऐसा दर्जा प्रदान करने से भविष्य की विकासात्मक गतिविधियां–जैसे लैंडिंग सेंटर का विस्तार, तटीय अवसंरचना विकास तथा समुद्र तट के स्वरूप में परिवर्तन–समुद्री कछुआ संरक्षण रणनीतियों के अनुरूप सुनिश्चित की जा सकेंगी।

पुलिस की पीईटी एवं ब्रास बैंड टीम

पृष्ठ 1 का शेष

अनुशासित एवं स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार साइबर सुरक्षा पर भी विशेष ध्यान देते हुए ऑनलाइन धोखाधड़ी, डिजिटल ठगी, पहचान की चोरी तथा सोशल मीडिया के सुरक्षित उपयोग के बारे में लोगों को जागरूक किया गया। इस पहल को विद्यार्थियों, परिवारों एवं आगंतुकों से उत्साहजनक प्रतिसाद प्राप्त हुआ। यह कार्यक्रम रचनात्मक सहभागिता के माध्यम से सामुदायिक पहुंच, जनजागरूकता और राष्ट्र निर्माण के प्रति अण्डमान तथा निकोबार पुलिस की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान के अंतर्गत 70 निर्वाचित प्रतिनिधियों को प्रशिक्षित किया गया

श्री विजय पुरम, 22 फरवरी

राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान (आरजीएसए) के अंतर्गत 20 फरवरी को ग्राम पंचायत श्याम नगर, स्वराज द्वीप, दक्षिण अण्डमान के सामुदायिक भवन में प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के विषय "स्थानीय शासन को सशक्त बनानाः पंचायती राज संस्थाओं (पीआरआई) के सिद्धांतों एवं उद्देश्यों पर निर्वाचित प्रतिनिधियों का प्रशिक्षण (थीम–8)" तथा "सतत सामुदायिक विकास हेतु ग्रामीण युवाओं और पंचायती राज संस्थाओं के बीच समन्वय को प्रोत्साहित करना" थे।

कार्यक्रम का शुभारंभ खंड विकास अधिकारी, प्रोथरापुर श्रीमती गुरजीत कौर के स्वागत भाषण से हुआ। उन्होंने ज़मीनी स्तर पर प्रभावी शासन के लिए पीआरआई सदस्यों को सशक्त बनाने तथा ग्रामीण युवाओं की भागीदारी सुनिश्चित करने के महत्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में पीआरआई सदस्यों सहित कुल 70 प्रतिभागियों ने भाग लिया। संसाधन व्यक्ति श्रीमती दीपा बिस्वास ने संविधान में निहित उद्देश्यों, पीआरआई की भूमिकाओं एवं दायित्वों तथा स्थानीय विकास में युवाओं की भागीदारी बढ़ाने की रणनीतियों पर संवादात्मक सत्र संचालित किया। प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार प्रतिभागियों ने सक्रिय रूप से चर्चा में भाग लिया और प्रशिक्षण के दौरान साझा किए गए व्यावहारिक सुझावों की सराहना की। अंत में ग्राम पंचायत श्याम नगर की सचिव श्रीमती अनीला ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

मायाबंदर में आयोजित पशु शिविर में 29 एसएचजी सदस्य शामिल हुए

मायाबंदर, 22 फरवरी

सामुदायिक विकास खंड, मायाबंदर, उत्तर व मध्य अण्डमान द्वारा 20 फरवरी को दीनदयाल अंत्योदय योजना–राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन योजना (डीएवाई–एनआरएलएम) के अंतर्गत स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) सदस्यों को त्वरित पशु चिकित्सा सेवाएं प्रदान करने के उद्देश्य से पशु शिविर आयोजित किया गया। शिविर में पशुओं की स्वास्थ्य जांच, टीकाकरण, कृमिनाशन, बीमार पशुओं का उपचार तथा वैज्ञानिक पशुपालन प्रथाओं पर विशेषज्ञ सलाह प्रदान की गई। इस अवसर पर वरिष्ठ पशु चिकित्सा अधिकारी, बिलीग्राउंड श्री पारिक ने बताया कि ऐसे पशु शिविर स्वयं सहायता समूह के सदस्यों एवं स्थानीय पशुपालकों की आजीविका गतिविधियों को सुदृढ़ बनाने में अत्यंत सहायक होते हैं। उन्होंने समय पर पशु चिकित्सा देखभाल, रोग निवारण तथा उन्नत पशुपालन पद्धतियों को अपनाने के महत्व पर बल दिया, जिससे बेहतर आर्थिक लाभ सुनिश्चित किया जा सके।

प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार पशु चिकित्सा टीम ने मौके पर उपचार, दवाओं का वितरण, गायों की टैगिंग तथा पशुपालकों को आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान किया। शिविर में 29 एसएचजी सदस्यों एवं किसानों ने सक्रिय भागीदारी की, जो पशुधन स्वास्थ्य सुधार एवं आय वृद्धि के प्रति उनकी रुचि को दर्शाता है।

कालीकट गांव में 20 किसान चारा उत्पादन एवं प्रबंधन पर प्रशिक्षित

श्री विजय पुरम, 22 फरवरी

पशुपालन एवं पशु चिकित्सा सेवा विभाग ने कृषि प्रौद्योगिकी प्रबंधन एजेंसी (एटीएमए) के सहयोग से दक्षिण अण्डमान के गाराचारमा स्थित पशु चिकित्सालय के अधिकार क्षेत्र अंतर्गत कालीकट गांव में चारा उत्पादन एवं प्रबंधन विषय पर दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। इस कार्यक्रम में कुल 20 किसानों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य वैज्ञानिक पद्धतियों के माध्यम से चारा उत्पादन, प्रबंधन तथा वर्षभर उपलब्धता सुनिश्चित कर पशुधन के स्वास्थ्य एवं उत्पादकता को सुदृढ़ करना था। प्रशिक्षण के दौरान उपयुक्त चारा फसलों का चयन, भूमि की तैयारी, बुवाई की विधियां, सिंचाई प्रबंधन, अंतरफसली रणनीतियां, पोषक तत्व प्रबंधन, कीट एवं रोग नियंत्रण, कटाई तथा भंडारण तकनीक जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर स्थानीय द्वीपीय परिस्थितियों के अनुरूप विस्तृत जानकारी प्रदान की गई।

प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार इस पहल का उद्देश्य किसानों को व्यावहारिक ज्ञान से सशक्त बनाना, हरे चारे की निरंतर उपलब्धता सुनिश्चित करना, बाहरी आहार स्रोतों पर निर्भरता कम करना तथा ग्रामीण क्षेत्रों में दुग्ध एवं मांस उत्पादन में सुधार लाना है। प्रतिभागियों ने प्रशिक्षण की व्यवहारिक शैली की सराहना करते हुए अपने खेतों में इन टिकाऊ पद्धतियों को अपनाने की प्रतिबद्धता व्यक्त की। यह कार्यक्रम विभाग की चारा सुरक्षा, वैज्ञानिक पशुपालन प्रबंधन तथा एटीएमए के सहयोग से अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह में किसानों को विस्तार एवं प्रशिक्षण गतिविधियों के माध्यम से सशक्त बनाने की सतत प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

अस्टीनाबाद मंदिर में वार्षिक पूजा–2026 के मद्देनज़र आज सड़क बंद रहेगी

श्री विजय पुरम, 22 फरवरी

मोटर वाहन अधिनियम, 1988 (अधिनियम संख्या 59, 1988) तथा प्रशासन की अधिसूचना संख्या /2008/फ.सं.32–95/2008–टीआर दिनांक 10 मार्च, 2008 के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा अस्टीनाबाद मंदिर में देवी श्री मुथुमरियम्मन की वार्षिक पूजा–2026 (15 से 25 फरवरी, 2026) एवं 23 फरवरी, 2026 को होने वाले पवित्र अग्नि पर चलने (फायर वॉक) तथा 24 फरवरी, 2026 को महा अन्नदानम् के मद्देनज़र दक्षिण अण्डमान ज़िले के ज़िलाधीश द्वारा जारी अधिसूचना में मंदिर क्षेत्र में यातायात के सुचारू संचालन एवं भीड़भाड़ रोकने हेतु निम्न आदेश जारी किए गए हैं:

दिनांकः 23 फरवरी, 2026 (सुबह 8 बजे से रात्रि 8 बजे तक)

1. प्रोथरापुर जंक्शन, मज़ारपहाड़ जंक्शन, न्यू पहाड़गांव एवं कार्बिन चौक जंक्शन से देवी श्री मुथुमरियम्मन मंदिर, अस्टीनाबाद की ओर किसी भी वाहन को जाने की अनुमति नहीं होगी।
2. पत्थरगढ्डा जंक्शन से ओल्ड सपना थिएटर होते हुए कार्बिन चौक तक जाने वाली सड़क वाहनों के लिए खुली रहेगी।
3. भातूबस्ती से ब्रुक्शाबाद/चक्करगांव जाने वाले तथा विपरीत दिशा में आने वाले वाहन पत्थरगढ्डा जंक्शन से ओल्ड सपना थिएटर होते हुए कार्बिन चौक मार्ग का उपयोग करेंगे।

दिनांकः 24 फरवरी, 2026 (सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक)

1. प्रोथरापुर जंक्शन एवं कार्बिन चौक जंक्शन से देवी श्री मुथुमरियम्मन मंदिर, अस्टीनाबाद की ओर किसी भी वाहन को जाने की अनुमति नहीं होगी।
2. पत्थरगढ्डा जंक्शन से ओल्ड सपना थिएटर होते हुए कार्बिन चौक तक जाने वाली सड़क वाहनों के लिए खुली रहेगी।
3. भातूबस्ती से ब्रुक्शाबाद/चक्करगांव जाने वाले तथा विपरीत दिशा में आने वाले वाहन पत्थरगढ्डा जंक्शन से ओल्ड सपना थिएटर होते हुए कार्बिन चौक मार्ग का उपयोग करेंगे।

फरारगंज में पशुसखी कार्यक्रम के दौरान ग्रामीण आजीविका सुदृढ़ करने पर बल

श्री विजय पुरम, 22 फरवरी

खंड विकास कार्यालय, फरारगंज, दक्षिण अण्डमान द्वारा हम्फ्रीगंज ग्राम पंचायत के अंतर्गत इंदिरानगर में स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) सदस्यों हेतु पशुसखी कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन खंड विकास अधिकारी, फरारगंज श्रीमती ललिता टिग्गा द्वारा किया गया, जिसमें क्षेत्र के 50 किसानों ने सक्रिय भागीदारी की। कार्यक्रम का उद्देश्य एसएचजी सदस्यों एवं किसानों को पशुपालन पद्धतियों, पशुधन प्रबंधन तथा ग्रामीण आजीविका सुदृढ़ करने में पशुसखी की भूमिका के संबंध में जागरूक करना था।

कार्यक्रम में वरिष्ठ पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. निनाद एस. लावले ने प्रतिभागियों के साथ संवाद करते हुए वैज्ञानिक पशुपालन, रोग निवारण तथा उन्नत प्रजनन पद्धतियों पर महत्वपूर्ण जानकारी साझा की। हम्फ्रीगंज ग्राम पंचायत के प्रधान श्री पलानी कुमार भी इस अवसर पर उपस्थित रहे और प्रतिभागियों को उन्नत पशुपालन तकनीकों को अपनाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के दौरान 'सर्वश्रेष्ठ नस्ल की गाय' को सम्मानित किया गया, ताकि गुणवत्तापूर्ण पशुपालन के लिए किसानों को प्रोत्साहित किया जा सके। साथ ही, अंतिम छोर तक स्वयं सहायता समूहों द्वारा संचालित पशुसखियों को पशु चिकित्सा सेवाएं पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला गया, जिससे ग्रामीण महिलाओं की आय सृजन क्षमता में वृद्धि होती है। पशुपालन एवं डेयरी विकास से संबंधित सरकारी योजनाओं की भी जानकारी प्रदान की गई। प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार कार्यक्रम का समापन प्रतिभागियों की सक्रिय सहभागिता के साथ सकारात्मक वातावरण में हुआ, जिसने खंड विकास कार्यालय, फरारगंज की स्वयं सहायता समूहों के सशक्तिकरण एवं सतत ग्रामीण आजीविका संवर्धन के प्रति प्रतिबद्धता को पुनः रेखांकित किया।

मक्का पहाड़ में हाइड्रोपोनिक चारा उत्पादन एवं अज़ोला पर प्रशिक्षण सम्पन्न

श्री विजय पुरम, 22 फरवरी

पशुपालन एवं पशु चिकित्सा सेवा विभाग, अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन द्वारा पशु चिकित्सा उप–औषधालय (वीएसडी), मक्का पहाड़, दक्षिण अण्डमान में हाइड्रोपोनिक चारा उत्पादन एवं अज़ोला विषय पर दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन ग्राम पंचायत बिड़नाबाद के सरपंच द्वारा किया गया। उन्होंने चारे की कमी की समस्या के समाधान तथा पशुधन के स्वास्थ्य संवर्धन हेतु इस पहल की सराहना की। वरिष्ठ पशु चिकित्सा अधिकारी, पशु चिकित्सालय, रंगाचांग ने हाइड्रोपोनिक तकनीक की संकल्पना, चरणबद्ध प्रक्रिया, उपयुक्त बीज, स्थान एवं जल की आवश्यकता, स्वचालन विकल्प, वृद्धि के चरण, स्वच्छता मानक, बायोमास उत्पादन, विभिन्न किस्मों के पोषण मूल्य, दुग्ध एवं मांस उत्पादन में सुधार, लाभ एवं आहार पद्धति आदि विषयों पर विस्तार से जानकारी दी। बेहतर समझ के लिए संपूर्ण प्रक्रिया का वीडियो प्रदर्शन भी किया गया। प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए संवादात्मक चर्चा में भाग लिया तथा टिकाऊ चारा उत्पादन की व्यावहारिक जानकारी प्राप्त की। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम किसानों को आधुनिक एवं कम लागत वाले चारा समाधान उपलब्ध कराने, पशुधन उत्पादकता बढ़ाने तथा द्वीपों में सतत पशुपालन पद्धतियों को प्रोत्साहित करने की विभाग की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

वनस्पति सर्वेक्षण द्वारा हिन्दी कार्यशाला

श्री विजय पुरम, 22 फरवरी

भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण में "राजभाषा हिन्दी के उपयोग में सूचना प्रौद्योगिकी का कार्यसाधक ज्ञान" विषय पर त्रैमासिक दो दिवसीय हिन्दी कार्यशाला का शुभारंभ अपर निदेशक सह क्षेत्रीय प्रमुख डॉ. लाल जी सिंह द्वारा दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार डॉ. सिंह ने अपने संबोधन में समस्त अधिकारियों व कर्मचारियों से अधिकाधिक हिन्दी का प्रयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया। सूचना प्रौद्योगिकी में राजभाषा के उपयोग का कार्यसाधक ज्ञान विषय पर डॉ पंकज अरविंद ढ़ोले, राजभाषा अधिकारी ने अपने व्याख्यान प्रस्तुत किया एवं श्री प्रकाश होरो, कनिष्ठ अनुवाद अधिकारी ने कार्यक्रम का संचालन करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया।

लैंगिक भेदभाव एवं लैंगिक हिंसा पर चेतना लाई गई

श्री विजय पुरम, 22 फरवरी

ग्रामीण विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आरंभ राष्ट्रीय 'नई चेतना 2.0' अभियान के अंतर्गत, सामुदायिक विकास खंड, फरारगंज, दक्षिण अण्डमान के सहयोग से रोज़री ग्राम संगठन द्वारा 20 फरवरी को सामुदायिक भवन, मंगलूटान में लैंगिक भेदभाव एवं लैंगिक आधारित हिंसा विषय पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में जीवन के विभिन्न चरणों एवं परिस्थितियों में होने वाली हिंसा के प्रकारों की समझ, लैंगिक आधारित हिंसा की रिपोर्टिंग को प्रोत्साहन, कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न की रोकथाम (पोश), महिलाओं, पुरुषों एवं बच्चों के विरुद्ध घरेलू हिंसा जैसे प्रमुख विषयों पर चर्चा की गई।

प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार कार्यक्रम के दौरान वन स्टॉप सेंटर, डीएसडब्ल्यू की काउंसलर श्रीमती मीनल, पुलिस थाना हम्फ्रीगंज के उप–निरीक्षक अजीताभ कुमार, 'प्रयास' एनजीओ के प्रतिनिधि श्री विजय कुमार तथा सामुदायिक विकास खंड, फरारगंज की क्लस्टर कोऑर्डिनेटर लीला कृष्णा ने विभिन्न विषयों पर सत्र संचालित किए। प्रतिभागियों ने सक्रिय रूप से चर्चा में भाग लेते हुए शिकायत प्रक्रिया, कानूनी उपायों एवं सहायता तंत्र से संबंधित प्रश्नों का समाधान प्राप्त किया।

सूचना, प्रचार और पर्यटन निदेशालय द्वारा प्रकाशित तथा प्रबन्धक, राजकीय मुद्रणालय द्वारा मुद्रित, वितरण तथा विज्ञापन के लिए फोन–229465, प्रधान सम्पादक (प्रभारी) पी. कैरल डी. सोणी
e-mail:dweepsamachar@gmail.com

नई दिल्ली में संपन्न इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट और एक्सपो को शानदार प्रतिक्रिया

नई दिल्ली, 22 फरवरी।

नई दिल्ली में कल संपन्न हुए इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट और एक्सपो को शानदार प्रतिक्रिया मिली है। यह आयोजन नीति निर्माताओं, उद्योग जगत के प्रमुखों नवप्रवर्तकों और स्टार्टअप्स के लिए एक साझा मंच साबित हुआ। जहां आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित समाधानों पर व्यापक संवाद और प्रस्तुति हुई। समिट में पांच सौ से अधिक एआई प्रमुखों, सौ से अधिक संस्थापकों और मुख्य कार्यकारी अधिकारियों, एक सौ पचास शिक्षाविदों और शोधकर्ताओं तथा लगभग चार सौ मुख्य प्रौद्योगिकी अधिकारियों ने भाग लिया। पांच लाख से अधिक आगंतुक इस आयोजन में शामिल हुए।

आकाशवाणी समाचार से बातचीत में पंचायती राज मंत्रालय में सलाहकार सोनाक्षी वार्ष्णेय ने कहा कि इंडिया एआई समिट ने एआई क्षेत्र के प्रमुख हितधारकों और नवप्रवर्तकों को एक साथ लाने का काम किया है। उन्होंने कहा कि इस समिट ने देश में पंचायती राज संस्थाओं के सशक्तिकरण के लिए एआई–आधारित पहलों को प्रदर्शित करने का अवसर प्रदान किया।

आईआईटी रोपड़ के निदेशक प्रोफेसर राजीव आहूजा ने कहा कि इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट अपनी तरह का पहला आयोजन है और देश के युवाओं के लिए बेहद लाभदायक रहा।

डिजिटल कौशल से जुड़ने के लिए राष्ट्रीय अभियान शुरू, अमिताभ बच्चन होंगे चेहरा

नई दिल्ली, 22 फ़रवरी।

केंद्रीय कौशल विकास और उद्यमिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) तथा शिक्षा राज्य मंत्री श्री जयंत चौधरी ने देश में डिजिटल कौशल को बढ़ावा देने के लिए 'बढ़ना है तो यहां जुड़ना है' नाम से राष्ट्रव्यापी जन जागरूकता अभियान शुरू किया। इस अभियान का शुभारंभ इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट के दौरान किया गया। इसका उद्देश्य स्किल इंडिया डिजिटल हब के माध्यम से युवाओं और नागरिकों को डिजिटल कौशल, रोजगार और आजीवन सीखने के अवसरों से जोड़ना है।

केंद्रीय कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय की तरफ से बताया गया है कि स्किल इंडिया डिजिटल हब देश का एकीकृत डिजिटल कौशल मंच है। इस पर अब तक 1.5 करोड़ से अधिक अभ्यर्थी पंजीकरण करा चुके हैं। यह मंच नागरिकों को कौशल बढ़ाने, नए कौशल सीखने और रोजगार के अवसरों से जुड़ने की सुविधा देगा। इसके लिए बॉलीवुड अभिनेता अमिताभ बच्चन को जोड़ा गया है।

इस अवसर पर जयंत चौधरी ने कहा कि भारत की डिजिटल क्षमता को इंडिया स्टैक और स्किल इंडिया डिजिटल हब जैसे मंचों के माध्यम से वैश्विक स्तर पर पहचान मिली है। ये मंच बड़े स्तर पर कौशल विकास और सार्वजनिक सेवाओं तक पहुंच बढ़ाने में सहायक बने हैं। उन्होंने कहा कि यह अभियान हर भारतीय को इस डिजिटल पारिस्थितिकी तंत्र से जुड़ने और अपने विकास की दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करेगा।

मंत्रालय के अनुसार स्किल इंडिया डिजिटल हब मोबाइल आधारित और कृत्रिम बुद्धिमत्ता सक्षम मंच है। इसमें विभिन्न सरकारी कौशल योजनाओं को एकीकृत किया गया है।

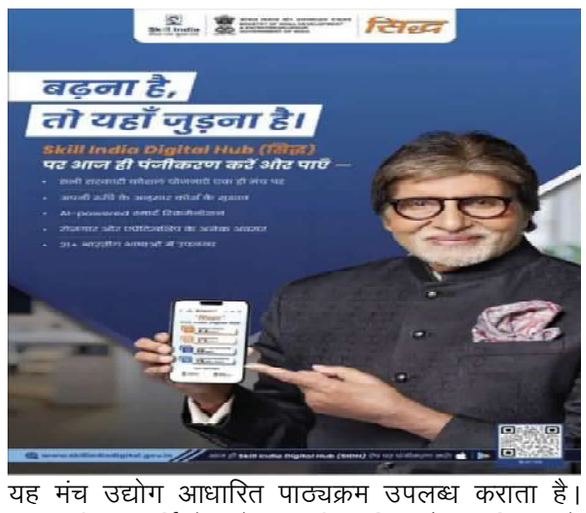

यह मंच उद्योग आधारित पाठ्यक्रम उपलब्ध कराता है। साथ ही अभ्यर्थियों को उनकी रुचि और करियर के अनुसार व्यक्तिगत सुझाव देता है।

इस मंच पर डिजिटल प्रमाणपत्र, क्यूआर कोड आधारित डिजिटल जीवनवृत्त, आधार आधारित ई–केवाईसी पंजीकरण और मोबाइल ओटीपी के माध्यम से लॉगिन की सुविधा उपलब्ध है। यह मंच 21 से अधिक भारतीय भाषाओं में उपलब्ध है। इससे देश के विभिन्न क्षेत्रों के लोगों को समान अवसर मिल रहे हैं। यह मंच विद्यार्थियों, स्नातकों, नौकरीपेशा लोगों और उद्यमियों सभी के लिए उपयोगी है। इसका उद्देश्य कौशल और रोजगार से जुड़ी सेवाओं को एक मंच पर उपलब्ध कराना है। इससे सूचना, भाषा और पहुंच से जुड़ी बाधाएं दूर हो रही हैं।

भारत सर्पदंश से होने वाली मौतों को रोकने के लिए राष्ट्रीय कार्य योजना लॉन्च करने वाला दुनिया का पहला देश

गांधीनगर, 22 फरवरी।

गुजरात राज्य में सांप के डसने से होने वाली मौतों को कम करने के लिए गुजरात सरकार के पास जल्द ही राज्य में पाए जाने वाले जहरीले सांपों से ही बना एंटीवेनम उपलब्ध होगा। सर्पदंश से होने वाली मौतों को कम करने की दिशा में यह कदम काफी प्रभावी सिद्ध होगा।

उल्लेखनीय है कि गुजरात सरकार ने दक्षिण गुजरात के वलसाड जिले के धरमपुर शहर में सर्प अनुसंधान केंद्र (स्नेक रिसर्च इंस्टीट्यूट–एसआरआई) की स्थापना की है। इस संस्थान में गुजरात के विभिन्न क्षेत्रों में पाए जाने वाले जहरीले सांपों को लाया जाता है। अभी इस संस्थान में लगभग 460 जहरीले सांपों को रखा गया है। सांपों की देखभाल और जहर निकालने की प्रक्रिया में विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की गाइडलाइन का पालन किया जाता है। सांप से निकाले गए जगह को आधुनिक टेक्नोलॉजी के जरिए प्रोसेस कर पाउडर में बदला जाता है। इस पाउडर की नीलामी कर उसे लाइसेंस वाले एंटीवेनम बनाने वाले निर्माताओं को दिया जाएगा। गुजरात सरकार निर्माताओं द्वारा पाउडर से बनाए गए एंटीवेनम को खरीदेगी और राज्य के विभिन्न हॉस्पिटलों को सर्पदंश के उपचार के लिए एंटीवेनम की आपूर्ति करेगी।

मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व में राज्य में सर्पदंश से होने वाली मौतों की रोकथाम के लिए गहन उपाय किए जा रहे हैं और इसके लिए गुजरात में पाए जाने वाले जहरीले सांपों से ही प्राप्त जहर से एंटीवेनम बनाने का अहम कार्य प्रगति पर है।

सर्प अनुसंधान केंद्र ने हाल ही में गुजरात में पाए जाने वाले चार प्रमुख जहरीले सांपों की प्रजातियों– इंडियन कोबरा, कॉमन क्रेट, रसेल्स वाइपर और सॉ–स्केल्ड वाइपर– के लायोफिलाइज्ड (पाउडर स्वरूप में) जहर की ई–नीलामी की। इस नीलामी में लाइसेंस वाले एंटीवेनम बनाने वाले निर्माताओं ने हिस्सा लिया। इस संस्थान में रखे और संभाले गए जहरीले सांपों से निकाले गए जहर की गुणवत्ता इतनी अच्छी थी कि इस जहर के लिए अनुमान से भी अधिक ऊंचे दाम मिले।

सर्प अनुसंधान केंद्र के एक उच्च अधिकारी ने इस संबंध में अधिक जानकारी देते हुए बताया, "इंडियन कोबरा के जहर के लिए प्रति ग्राम 40,000 रुपए का आधार मूल्य निर्धारित किया गया था, लेकिन हमें प्रति ग्राम 44,000 रुपए प्राप्त हुए। सॉ–स्केल्ड वाइपर के जहर के लिए प्रति ग्राम 50,000 रुपए के आधार मूल्य के मुकाबले हमें 56,500 रुपए मिले। दूसरी प्रजातियों के लिए भी बेहतर प्रतिक्रिया के साथ ऊंचे दाम मिले।"

भारतीय ए टीम ने जीता महिला एशिया कप राइजिंग स्टार्स–2026 का खिताब

नई दिल्ली, 22 फ़रवरी।

भारतीय–ए महिला क्रिकेट टीम ने एसीसी महिला एशिया कप राइजिंग स्टार्स 2026 का खिताब जीत लिया है। बैंकॉक के तेर्दथाई क्रिकेट ग्राउंड में रविवार को खेले गए फाइनल मुकाबले में भारत ए ने बांग्लादेश–ए को 46 रनों के बड़े अंतर से हरा दिया।

मुकाबले में पहले बल्लेबाजी करते हुए भारतीय ए महिला टीम ने 20 ओवर में सात विकेट के नुकसान पर 134 रन बनाए। जवाब में बांग्लादेश की टीम 19.1 ओवर में 88 रन पर ऑलआउट हो गई।

खिताबी मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी के लिए उतरी भारतीय ए महिला टीम ने धीमी शुरुआत की। टीम ने पांच ओवर में 30 रन जोड़े। छठे ओवर में टीम का पहला विकेट गिरा। वृंदा दिनेश 19 रन बनाकर पवेलियन लौट गई हैं। इसके अगले ओवर में भारतीय टीम की 2 बल्लेबाज आउट हो गईं। ओवर की पहली गेंद पर नंदिनी कश्यप रन आउट हो गईं। दूसरी गेंद पर मिन्नू मणि बिना खाता खोले आउट हो गईं। नंदनी ने 8 रन बनाए। 44 रन के स्कोर पर अनुष्का शर्मा भी 8 रन की पारी खेलकर आउट हुईं।

रात में चमकते रहस्यमयी 'नॉक्टिलुसेंट क्लाउड', सूरज डूबने के बाद भी बिखेरते हैं रोशनी

नई दिल्ली, 22 फरवरी।

विज्ञान की दुनिया अनगिनत रहस्यों से भरी हुई है, जो उत्सुकता जगाते हैं और कई बार हैरान भी कर देते हैं। इनमें से एक खास रहस्य है नॉक्टिलुसेंट क्लाउड, जिसे 'रात में चमकने वाले बादल' भी कहा जाता है। ये बादल सामान्य बादलों से बिल्कुल अलग होते हैं और रात के अंधेरे में भी चमक बिखेरते दिखाई देते हैं। अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा इनके बारे में विस्तार से जानकारी देती है।

नॉक्टिलुसेंट क्लाउड ऊपरी वायुमंडल में बर्फ के छोटे क्रिस्टल से बनते हैं और सूरज डूबने के बाद भी रोशनी को परावर्तित करके चमक पैदा करते हैं। यह पृथ्वी के वायुमंडल की सबसे ऊपरी परत में बनने वाली अनोखी और रहस्यमयी घटना हैं। ये बादल सामान्य बादलों से बहुत अलग हैं क्योंकि ये लगभग 50 से 86 किलोमीटर (30 से 54 मील) की ऊंचाई पर मेसोस्फीयर में बनते हैं, जो पृथ्वी की सतह से बहुत दूर है। इनका नाम लैटिन शब्द "नॉक्टिलुसेंट" से आया है, जिसका मतलब है 'रात में चमकना'।

नासा के अनुसार, ये बादल बर्फ के बहुत छोटे क्रिस्टल या पानी के वाष्प से बनते हैं। ये क्रिस्टल सूरज की रोशनी को परावर्तित करते हैं, इसलिए सूरज डूबने के बाद भी ये चमकते दिखाई देते हैं। दिन में ये बहुत धुंधले होते हैं और दिखाई नहीं देते, लेकिन शाम के समय, जब नीचे का वायुमंडल अंधेरे में होता है लेकिन ऊपरी परत अभी भी सूरज की रोशनी में होती है, तब ये इंद्रधनुषी नीले–चांदी रंग के चमकते हुए दिखते हैं। ये मुख्य रूप से गर्मियों के महीनों में हाई लैटिट्यूड पर उत्तरी और दक्षिणी ध्रुवीय क्षेत्रों के पास दिखाई देते हैं।

ये बादल लंबे समय से वैज्ञानिकों के लिए पहेली बने हुए थे। नासा के एरोनॉमी ऑफ आइस न दी मेसोस्फीयर (एआईएम) मिशन ने साल 2007 में इनकी पहली स्टडी शुरू की। एआईएम दुनिया का पहला सैटेलाइट था, जो खास तौर पर इन बादलों का अध्ययन करने के लिए डिजाइन किया गया था। 11 जून 2007 को एआईएम ने उत्तरी गोलार्ध में इन बादलों का पहला पूरा दृश्य कैप्चर किया, जिसमें लगभग 5 किलोमीटर रिजॉल्यूशन था।

एआईएम के शुरुआती ऑब्जर्वेशन से पता चला कि ये बादल रोजाना दिखाई देते हैं, दूर–दूर तक फैले होते हैं और हर घंटे से लेकर दिन तक बदलते रहते हैं। उनकी चमक 3 किलोमीटर के स्केल पर बदलती है। वैज्ञानिकों को आश्चर्य हुआ कि मेसोस्फीयर में बर्फ की एक सिंगल, लगातार लेयर 82 से 89 किलोमीटर ऊपर फैली होती है।

साल 2007 के अंत तक एआईएम ने उत्तरी गोलार्ध में इन बादलों के पूरे लाइफ सर्कल को रिकॉर्ड किया–ये लगभग 25 मई से शुरू होकर अगस्त के अंत तक रहते हैं। पिछले दो दशकों में ये बादल और ज्यादा चमकदार हो गए हैं और कम अक्षांशों, यानी निचले लैटिट्यूड पर भी दिखाई देने लगे हैं।

विश्व चिंतन दिवसः लड़कियों के लिए सौ साल से क्यों खास है यह दिन

नई दिल्ली, 22 फरवरी।

दुनियाभर में हर साल 22 फरवरी को विश्व चिंतन दिवस मनाया जाता है। यह दिन खास तौर पर गर्ल गाइड्स और गर्ल स्काउट्स से जुड़ा हुआ है, जो कि भारत के साथ ही दुनियाभर में उत्साह के साथ मनाया जाता है। विश्व चिंतन दिवस विशेष रूप से गर्ल स्काउट्स और गर्ल गाइड्स से जुड़ा है, जो 153 से अधिक देशों में सक्रिय हैं। इस दिन का मुख्य उद्देश्य अंतरराष्ट्रीय दोस्ती, भाईचारे को बढ़ावा देना और दुनिया भर की लड़कियों तथा महिलाओं को सशक्त बनाना है। यह दिन वर्ल्ड एसोसिएशन ऑफ गर्ल गाइड्स एंड गर्ल स्काउट्स द्वारा आयोजित किया जाता है।

एसोसिएशन दुनिया की सबसे बड़ी स्वैच्छिक संस्था है जो लड़कियों और युवा महिलाओं के सशक्तीकरण के लिए काम करती है। विश्व चिंतन दिवस पर सदस्य वैश्विक मुद्दों पर विचार करते हैं, उन पर कार्रवाई करते हैं और फंड जुटाकर जरूरतमंद लड़कियों को स्काउट्स में शामिल होने का मौका देते हैं।

अब सवाल है कि विश्व चिंतन दिवस के लिए 22 फरवरी को क्यों चुना गया? यह तारीख लॉर्ड रॉबर्ट बैडेन–पॉवेल के जन्मदिन के रूप में चुनी गई थीं, जो बॉयज स्काउट मूवमेंट के संस्थापक और दुनिया के पहले चीफ स्काउट थे। उनकी पत्नी ओलेव बैडेन–पॉवेल, जो वर्ल्ड चीफ गाइड थीं का भी जन्म इसी दिन हुआ था। साल 1926 में अमेरिका के चौथे विश्व सम्मेलन में डेलीगेट्स ने फैसला किया कि 22 फरवरी को गर्ल गाइड्स और गर्ल स्काउट्स के लिए एक विशेष दिन होगा, जिसे शुरू में 'थिंकिंग डे' कहा गया। यह दिन संस्थापकों के जन्मदिन के रूप में शुरू हुआ, लेकिन धीरे–धीरे यह वैश्विक दोस्ती और एकता का प्रतीक बन गया।

साल 1999 में आयरलैंड के डबलिन में 30वें विश्व सम्मेलन में इसका नाम बदलकर 'वर्ल्ड थिंकिंग डे' कर दिया गया ताकि इसके वैश्विक महत्व को बेहतर तरीके से दिखाया जा सके।

साल 2026 की थीम पर नजर डालें तो विश्व चिंतन दिवस अपनी 100वीं सालगिरह मना रहा है। इस ऐतिहासिक मौके पर थीम "हमारी दोस्ती" रखी गई है। यह थीम स्थानीय और वैश्विक स्तर पर दोस्ती के महत्व को उजागर करती है। ऐसे में मेंबर्स नए कनेक्शन बनाएंगे और गर्ल गाइड्स/स्काउट्स की वैश्विक कम्युनिटी की ताकत को और सक्षम करने की प्रयास में जुटेंगे। यह थीम अतीत, वर्तमान और भविष्य पर विचार करता है।

साल 1932 में पोलैंड के सातवें विश्व सम्मेलन में विश्व चिंतन दिवस फंड शुरू किया गया था। इस फंड के जरिए सदस्य दान देकर दुनिया भर की लड़कियों को गर्ल गाइडिंग और स्काउटिंग में शामिल होने का अवसर देते हैं। फंड का उपयोग जरूरतमंद समुदायों की मदद, सकारात्मक बदलाव लाने और जीवन बदलने वाले मौके प्रदान करने में होता है।

एसोसिएशन की स्थापना साल 1928 में पोलैंड में हुई थी। इसका मुख्यालय लंदन में है और वर्तमान सीईओ एना सेगल हैं। संगठन पांच विश्व केंद्र चलाता है–एडेलबोडेन (स्विट्जरलैंड), लंदन (इंग्लैंड), क्यूर्नावाका (मेक्सिको), महाराष्ट्र (भारत) और अफ्रीका में। ये केंद्र सदस्यों को प्रशिक्षण, आदान–प्रदान और वैश्विक अनुभव प्रदान करते हैं।

मधुमालतीः सुंदर दिखने वाला ये पौधा है बेहद गुणकारी, खांसी से लेकर मासिक धर्म के दर्द में आरामदायक

नई दिल्ली, 22 फरवरी।

गुलाबी रंग की चार खूबसूरत पंखुड़ियों के साथ खुशबू देने वाला मधुमालती सभी को प्रिय है। मधुमालती का इस्तेमाल लोग अपने घरों की सजावट के लिए करते हैं, लेकिन बहुत कम लोग जानते हैं कि इसका इस्तेमाल आयुर्वेद में कई रोगों को ठीक करने में किया जाता है।

इतना ही नहीं, बाजार में मधुमालती का तेल भी आसानी से मिल जाता है। आज हम जानेंगे कि मधुमालती के पत्ते और फूल किस प्रकार लाभकारी हो सकते हैं। मधुमालती का जिक्र प्राचीन चिकित्सा ग्रंथ सुश्रुत संहिता में मिलता है, जिसमें इस पौधे के कई प्रभावी गुण बताए गए हैं। मधुमालती को विज्ञान की भाषा में 'रंगून क्रीपर' कहा जाता है, जिसे उगाना बहुत आसान है और जिसकी देखभाल भी कम करनी पड़ती है। इस पौधे के खूबसूरत दिखने वाले फूल और पत्तों का इस्तेमाल सर्दी, खांसी, बुखार, जोड़ों के दर्द (गठिया) और त्वचा रोगों में सदियों से किया जा रहा है।

अगर किसी की किडनी में सूजन है या किडनी की कार्यक्षमता कम हो गई है, तो मधुमालती की छाल का काढ़ा लाभकारी माना गया है। चिकित्सक की सलाह से अगर रोजाना मधुमालती का काढ़ा लिया जाए, तो अंदरूनी अंगों से सूजन कम होती है और अंग प्रभावी तरीके से काम करते हैं।

इसके अलावा, अगर मासिक धर्म में दर्द की परेशानी रहती है और पेल्विक लो पर सूजन की परेशानी है, तब भी

उसकी छाल का काढ़ा फायदेमंद होता है। मोटापा कम करने और हॉर्मोन संतुलित करने में भी सदियों से मधुमालती का प्रयोग होता आ रहा है।

महिलाओं में सफेद पानी की समस्या होने पर मधुमालती के ताजा फूलों का प्रयोग किया जाए तो कमर दर्द और हड्डियों के रोगों से आराम मिल सकता है। इतना ही नहीं, अगर स्किन से जुड़ी परेशानी जैसे खुजली, मुहांसे और त्वचा रोग परेशान करते हैं तब भी मधुमालती की पत्तियों का लेप आराम देता है।

आयुर्वेद में माना गया है कि अगर पुरानी से पुरानी खांसी ठीक नहीं हो रही है, तब भी तुलसी के साथ मधुमालती की पत्तियों को मिलाकर काढ़ा बनाएं। यह खांसी के साथ–साथ जुकाम और सर्दी से भी राहत देगा। स्वाद के लिए इसमें शहद का भी इस्तेमाल कर सकते हैं।

इतिहास के पन्नों में 23 फरवरीः खूबसूरती और अदाकारी की मिसाल मधुबाला

नई दिल्ली, 22 फरवरी।

किसी बेहद खूबसूरत चेहरे को देखकर अकसर यह कहा जाता है कि उसे ऊपर वाले ने फुरसत में गढ़ा है। हिंदी सिनेमा की अद्वितीय अभिनेत्री मधुबाला के लिए यह कथन बिल्कुल सटीक बैठता है। अपनी अलौकिक सुंदरता, मासूम मुस्कान और स्वाभाविक अभिनय के कारण उन्होंने दर्शकों के दिलों पर अमिट छाप छोड़ी।

14 फरवरी 1933 को जन्मीं मधुबाला ने बेहद कम उम्र में फिल्मी दुनिया में कदम रखा और देखते ही देखते हिंदी सिनेमा की सबसे चहेती नायिकाओं में शुमार हो गईं। उन्हें उनकी अद्वितीय सुंदरता के कारण 'वीनस ऑफ हिंदी सिनेमा' कहा गया। लेकिन उनकी पहचान केवल खूबसूरती तक सीमित नहीं थी; वे एक सशक्त और संवेदनशील अभिनेत्री भी थीं, जिन्होंने हर किरदार में जान डाल दी।

ऐतिहासिक महाकाव्य फिल्म 'मुगल–ए–आजम' में अनारकली की भूमिका निभाकर उन्होंने अभिनय का ऐसा शिखर छुआ, जिसे आज भी याद किया जाता है। शहजादा सलीम और अनारकली की प्रेम कहानी को उन्होंने जिस दर्द, गरिमा और नज़ाकत से पर्दे पर जिया, वह भारतीय सिनेमा के इतिहास में अमर हो गया। वहीं, हास्य से भरपूर फिल्म 'चलती का नाम गाड़ी' में उनका चुलबुला और शोख अंदाज़ दर्शकों को खूब भाया। किशोर कुमार के साथ उनकी जोड़ी ने फिल्म को यादगार बना दिया। मधुबाला का फिल्मी सफर भले ही लंबा नहीं रहा, लेकिन प्रभाव अत्यंत गहरा था। निजी जीवन में दिल की गंभीर बीमारी से जूझती रहीं इस अदाकारा ने मात्र 36 वर्ष की आयु में 23 फरवरी 1969 को दुनिया को अलविदा कह दिया।

महत्वपूर्ण घटनाक्रम–1768 – कर्नल स्मिथ ने हैदराबाद के निजाम के साथ शांति संधि पर दस्तखत किए, जिसके तहत निजाम ने ब्रिटिश हुकूमत का आधिपत्य स्वीकार कर लिया।
1886 – अमेरिका के रसायनशास्त्री और आविष्कारक मार्टिन हेल ने अलम्यूनियम की खोज की।
1940 – रूसी सेनाओं ने यूनान के समीप स्थित लासी द्वीप पर कब्जा किया।
1945 – अमेरिका ने जापान के कब्जे वाले टापू ईवो जीमा पर अपना परचम फहराया। इस टापू की स्थिति सामरिक रूप से बहुत महत्वपूर्ण थी।
1952 – कर्मचारी भविष्य निधि और विविध प्रावधान अधिनियम पारित किया गया।
1964 – चीन ने अपनी स्थिति में बदलाव करते हुए कश्मीर मसले पर पाकिस्तान का खुलकर समर्थन किया।
1970 – गयाना देश गणराज्य बना और आज के दिन को इस देश का राष्ट्रीय दिवस घोषित किया गया।
1981 – स्पेन में दक्षिणपंथी सेना ने सरकार का तख्ता पलट दिया, जिससे राजनीतिक अनिश्चितता की स्थिति पैदा हो गई।
2003 – कनाडा के जॉन डेविसन ने विश्वकप का सबसे तेज शतक लगाकर 1983 में बनाये गये कपिल देव का रिकार्ड तोड़ा।
2005 – अफगानिस्तान के राष्ट्रपति हामिद करजई तीन दिवसीय यात्रा पर भारत पहुँचे।
2006 – ईराक में जातीय हिंसा में 159 लोग मारे गये।
2006 – भारत ने पाकिस्तान को सर्वाधिक तरजीह प्राप्त राष्ट्र का दर्जा देने की सिफारिश मंजूर कर ली।

पोस्टल नेटवर्क को भविष्योन्मुख बनाने के लिए भारत–ब्राजील समझौता, ई–कॉमर्स पर फोकस

नई दिल्ली, 22 फरवरी।

भारत और ब्राजील ने अपनी साझेदारी को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के लिए महत्वपूर्ण समझौते किए हैं। ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज इनासियो लुला दा सिल्वा की भारत यात्रा के दौरान पोस्टल सेवाओं में सहयोग बढ़ाने और डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन को गति देने वाले एमओयू (समझौता ज्ञापन) पर हस्ताक्षर हुए, जो ई–कॉमर्स और समावेशी विकास को मजबूत करेंगे। संचार मंत्रालय ने रविवार को इसकी जानकारी दी।

एमओयू पर केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया और ब्राजील के उनके समकक्ष फ्रेडरिको डी सिक्वेरा फिल्हो ने हस्ताक्षर किए। समझौता ब्राजील के राष्ट्रपति लूला डा सिल्वा के भारत दौरे के दौरान हुआ था। यह समझौता भारत के डाक विभाग और ब्राजील के संचार मंत्रालय के बीच सहयोग के लिए एक बड़ा फ्रेमवर्क बनाता है।

मंत्रालय ने कहा कि यह उनकी रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करने और डाक के क्षेत्र में अनुभव और विशेषज्ञता के आदान–प्रदान पर फोकस करता है। एमओयू के तहत, दोनों देश डाक नीति और संचालन में उत्तम तरीकों का इस्तेमाल करेंगे। वे यूनिवर्सल सर्विस ऑब्लिगेशन को मजबूत करने और एड्रेसिंग सिस्टम को बेहतर बनाने के लिए मिलकर काम करेंगे।

इस समझौते में डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन, ई–कॉमर्स लॉजिस्टिक्स और पोस्टल फाइनेंशियल सर्विसेज में सहयोग करना भी शामिल है। भारत बड़े पैमाने पर पोस्टल सुधारों, खासकर डिजिटल सर्विसेज, ई–कॉमर्स डिलीवरी और

जन–केंद्रित पब्लिक सर्विसेज में अपना अनुभव शेयर करेगा।

इस साझेदारी से दोनों पक्षों को परिचालन दक्षता में सुधार करने और अपने पोस्टल नेटवर्क की वित्तीय क्षेत्र में स्थिरता बनाए रखने में मदद मिलने की उम्मीद है। दोनों देश ट्रेनिंग प्रोग्राम, अधिकारियों और विशेषज्ञों के एक्सचेंज विजिट, और जॉइंट वर्कशॉप के जरिए क्षमता विकास पर भी फोकस करेंगे। दोनों पक्ष यूनिवर्सल पोस्टल यूनियन समेत बहु मंचों में समन्वय स्थापित करने पर भी सहमत हुए हैं।

मंत्रालय का बयान है कि एमओयू दोनों देशों के पोस्टल नेटवर्क को भविष्योन्मुख बनाने की प्रतिबद्धता दर्शाता है, जहां ये सिस्टम आर्थिक विकास, वित्तीय समावेशन और लास्ट–माइल डिलीवरी के सशक्त साधन बनेंगे। यह समझौता पांच साल तक रहेगा, जिसमें ऑटोमैटिक रिन्यूअल की व्यवस्था भी होगी, और इसे दोनों देशों के कानूनों के अनुसार लागू किया जाएगा।

चुनाव आयोग और राज्य निर्वाचन आयुक्तों का राष्ट्रीय गोलमेज सम्मेलन 24 फरवरी को दिल्ली में

नई दिल्ली, 22 फरवरी।

भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) 24 फरवरी को नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम में ईसीआई और राज्य निर्वाचन आयुक्तों (एसईसी) का राष्ट्रीय गोलमेज सम्मेलन आयोजित करेगा। मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार सम्मेलन की अध्यक्षता करेंगे।

चुनाव आयोग के अनुसार यह गोलमेज सम्मेलन 27 वर्षों के अंतराल के बाद आयोजित किया जा रहा है। पिछली बैठक वर्ष 1999 में आयोजित की गई थी। यह बैठक देश में चुनावी प्रक्रिया को और पारदर्शी और तकनीकी रूप से सुदृढ़ बनाने की दिशा में आयोजित की जा रही है। सम्मेलन में निर्वाचन आयुक्त डॉ. सुखबीर सिंह संधू और डॉ. विवेक जोशी भी उपस्थित रहेंगे।

सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के राज्य निर्वाचन आयुक्त अपने कानूनी और तकनीकी विशेषज्ञों के साथ सम्मेलन में भाग लेंगे। सभी 36 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) भी सम्मेलन में शामिल होंगे।

इस सम्मेलन का प्राथमिक लक्ष्य 'सहकारी संघवाद' की

भावना को मजबूत करते हुए केंद्रीय और राज्य चुनाव निकायों के बीच बेहतर तालमेल बिठाना है। दिनभर चलने वाले सम्मेलन के दौरान चुनावी प्रक्रिया को सुदृढ़ करने के अलावा प्रौद्योगिकी, ईवीएम और मतदाता सूची साझा करने पर चर्चा होगी। इस दौरान इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों की मजबूती, पारदर्शिता और सुरक्षा उपायों पर विस्तृत चर्चा की जायेगी। ईसीआई के नए डिजिटल प्लेटफॉर्म 'ईसीआईएनईटी' पर वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा प्रस्तुति दी जाएगी, जो चुनावी सेवाओं को डिजिटल रूप से सुव्यवस्थित करेगा।

गुवाहाटी में 58वीं प्री–रिटायरमेंट कार्यशाला 23 फरवरी को, उद्घाटन करेंगे पेंशन राज्य मंत्री

नई दिल्ली, 22 फरवरी।

केंद्र सरकार के कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन राज्य मंत्री डॉ. जितेन्द्र सिंह 23 फरवरी को गुवाहाटी में केंद्रीय कर्मचारियों के लिए आयोजित 58वें प्री–रिटायरमेंट काउंसलिंग कार्यशाला का उद्घाटन करेंगे। इस कार्यशाला का आयोजन असम के प्रशासनिक स्टाफ कॉलेज में किया जाएगा।

पेंशन एवं पेंशनभोगी कल्याण विभाग की ओर से आयोजित इस कार्यशाला का उद्देश्य सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारियों को पेंशन और अन्य सेवानिवृत्ति लाभों के बारे में जानकारी देना है। यह पहल पेंशनभोगियों के जीवन को आसान बनाने के उद्देश्य से की जा रही है।

विभाग के अनुसार इस कार्यशाला में सेवानिवृत्ति लाभ, सीजीएचएस, साइबर सुरक्षा, निवेश विकल्प, भविष्य पोर्टल, एकीकृत पेंशनभोगी पोर्टल, पारिवारिक पेंशन, सीपेंग्राम्स, अनुभव और डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र से संबंधित जानकारी दी जाएगी। इससे कर्मचारियों को सेवानिवृत्ति के बाद की प्रक्रिया को समझने में मदद मिलेगी।

इस कार्यशाला से असम में कार्यरत लगभग 350 ऐसे कर्मचारी लाभान्वित होंगे, जो अगले 12 महीनों में सेवानिवृत्त होने वाले हैं। इसका उद्देश्य सेवानिवृत्ति के बाद उनके जीवन में सुगम परिवर्तन सुनिश्चित करना है।

साथ ही पेंशन वितरण करने वाले बैंकों के लिए जागरूकता कार्यक्रम भी आयोजित किया जाएगा। इसका आयोजन भारतीय स्टेट बैंक के सहयोग से किया जा रहा है। इसमें बैंकों को पेंशन से जुड़े नियमों और प्रक्रियाओं की जानकारी दी जाएगी।

कार्यशाला के दौरान पेंशन वितरण करने वाले बैंकों की प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी। इसमें विभिन्न बैंक भाग लेंगे। बैंक पेंशन खातों को खोलने, निवेश विकल्पों और पेंशन से संबंधित सेवाओं की जानकारी देंगे।

सर्वोच्च न्यायालय के निर्देश पर पश्चिम बंगाल में 150 न्यायाधीशों की नियुक्ति

नई दिल्ली, 22 फरवरी।

पश्चिम बंगाल में विशेष गहन पुनरीक्षण–एसआईआर प्रक्रिया में सहायता के लिए न्यायिक अधिकारियों की नियुक्ति हेतु सर्वोच्च न्यायालय के कल के निर्देश के अनुपालन में जिला सत्र न्यायालयों से एक सौ पचास न्यायाधीशों को नियुक्त करने का निर्णय लिया गया है। निर्वाचन आयोग के सूत्रों ने बताया कि सत्र न्यायाधीशों के अलावा कलकत्ता उच्च न्यायालय के सात पूर्व न्यायाधीशों को भी इस कार्य के लिए चिन्हित किया गया है। पूरी प्रक्रिया सर्वोच्च न्यायालय के दिशानिर्देशों के अनुरूप ही आगे बढ़ेगी।

सत्र न्यायाधीश संबंधित समितियों का भी हिस्सा होंगे। एसआईआर प्रक्रिया में न्यायिक अधिकारियों की नियुक्ति संबंधी सर्वोच्च न्यायालय के आदेश के अनुपालन में आज उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश, राज्य के मुख्य सचिव, मुख्य निर्वाचन अधिकारी, राज्य के महाधिवक्ता, अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने बैठक की।

बैठक के बाद मुख्य निर्वाचन अधिकारी मनोज कुमार

अग्रवाल ने दोहराया कि आयोग का मुख्य उद्देश्य सभी पात्र मतदाताओं को मतदाता सूची में शामिल करना सुनिश्चित करना है। उन्होंने यह भी बताया कि सत्यापन और सूचना निपटान की प्रक्रिया आज मध्यरात्रि तक जारी रहेगी। न्यायालय के निर्देशानुसार, अंतिम निपटान प्रक्रिया न्यायिक अधिकारियों के माध्यम से संपन्न की जाएगी। आयोग ने यह राय व्यक्त की है कि निर्वाचन क्षेत्रों के आधार पर सुनवाई अधिक सुविधाजनक होगी, हालांकि अंतिम निर्णय न्यायालय का ही होगा।

'भारत–अमेरिका एआई अवसर साझेदारी' का ऐलान, पैक्स सिलिका के तहत टेक सहयोग को नई रफ्तार

नई दिल्ली, 22 फरवरी।

अमेरिका और भारत ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के क्षेत्र में सहयोग को नई ऊंचाई देने के लिए 'यू.एस.–इंडिया एआई अवसर साझेदारी' की संयुक्त घोषणा की है। यह समझौता 'पैक्स सिलिका घोषणा' के तहत एक द्विपक्षीय परिशिष्ट के रूप में किया गया है।

दोनों देशों ने कहा कि 21वीं सदी का भविष्य एआई की भौतिक बुनियाद– महत्वपूर्ण खनिज, ऊर्जा, कंप्यूटिंग क्षमता और सेमीकंडक्टर निर्माण पर निर्भर करेगा। इस संदर्भ में अमेरिका और भारत ने भरोसेमंद सहयोग, आर्थिक सुरक्षा और मुक्त उद्यम को एआई विकास का आधार बनाने की साझा प्रतिबद्धता जताई।

संयुक्त बयान में कहा गया कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 'ट्रांसफॉर्मिंग द रिलेशनशिप यूटिलाइजिंग स्ट्रेटेजिक टेक्नोलॉजीज' (ट्रस्ट) पहल के तहत व्यक्त दृष्टि को आगे बढ़ाते हुए दोनों देश एआई को डर के बजाय अवसर के रूप में देखते हैं। दोनों पक्षों का मानना है कि स्वतंत्र दुनिया के सामने सबसे बड़ा जोखिम एआई की प्रगति नहीं, बल्कि उसमें नेतृत्व करने में विफल रहना है।

दोनों देशों ने एआई सहयोग के लिए कई प्रमुख प्राथमिकताएं तय की हैं। अमेरिका और भारत ऐसे नियामक ढांचे को बढ़ावा देंगे जो तकनीकी नवाचार और निवेश को प्रोत्साहित करे। उद्देश्य है कि स्टार्टअप्स, डेवलपर्स, कोडर्स और प्लेटफॉर्म्स को सुरक्षित और भरोसेमंद एआई सिस्टम विकसित करने, परीक्षण करने और तेजी से विस्तार करने का अवसर मिले।

पैक्स सिलिका ढांचे के तहत दोनों देश ऊर्जा अवसंरचना के विस्तार, महत्वपूर्ण खनिजों के उत्पादन, कुशल कार्यबल के विकास और विश्वसनीय सेमीकंडक्टर पारिस्थितिकी तंत्र के निर्माण में संयुक्त पहल करेंगे। इसमें अनुसंधान एवं विकास परियोजनाओं को भी बढ़ावा दिया जाएगा।

दोनों देश निजी क्षेत्र की रचनात्मक शक्ति को एआई क्रांति का प्रमुख चालक मानते हैं। वे सीमा–पार वेंचर कैपिटल प्रवाह, अनुसंधान एवं विकास साझेदारी, अगली पीढ़ी के डाटा सेंटरों में निवेश, कंप्यूटिंग संसाधनों और प्रोसेसर तक पहुंच तथा एआई मॉडल और एप्लिकेशन विकास में सहयोग बढ़ाने पर काम करेंगे।

संयुक्त बयान में कहा गया कि दुनिया के सबसे पुराने और सबसे बड़े लोकतंत्र के रूप में अमेरिका और भारत न केवल स्वतंत्रता की रक्षा में, बल्कि समृद्धि और सामाजिक सामंजस्य की दिशा में भी साथ खड़े हैं।

छारी–ढंढ वेटलैंड बना रामसर साइट, ग्रे हाइपोकोलियस बना मुख्य आकर्षण

गांधीनगर, 22 फरवरी।

कच्छ जिले के छारी–ढंढ कंजर्वेशन रिजर्व को हाल ही में रामसर साइट का दर्जा मिला है। इस आर्द्रभूमि के आसपास 283 से अधिक प्रजातियों के पक्षी दर्ज हुए हैं, परंतु यहां देखे जाने वाले दुर्लभ एवं प्रवासी पक्षी दुनियाभर के पर्यटकों को आकर्षित करते हैं। इन पक्षियों में ग्रे हाइपोकोलियस मुख्य आकर्षण का केंद्र है। गुजराती में इसे 'मस्कती लटोरो' कहते हैं।

ग्रे हाइपोकोलियस सबसे विशिष्ट तथा आकर्षक पक्षी है। पतली काया वाला यह पक्षी इराक, ईरान, अफगानिस्तान तथा पाकिस्तान के शुष्क क्षेत्रों में प्रजनन करता है और 1990 से कच्छ के छारी–ढंढ के आर्द्रभूमि क्षेत्र में शीत ऋतु बिताने आता है।

विशेषज्ञों के अनुसार ग्रे हाइपोकोलियस सामान्यतः शुष्क झाड़ीदार क्षेत्रों, मरु (रण) प्रदेशों एवं निकटवर्ती कृषि क्षेत्रों में देखने को मिलते हैं। वे ज्यादातर छोटे समूहों में देखे जाते हैं तथा फलदार पेड़ों और झाड़ियों के फल–बेर उनका आहार होते हैं। विशेषकर, इस पक्षी को पिलुडी के फल 'पीलु' अति प्रिय हैं। शीत ऋतु के महीनों में दुनियाभर के पक्षीप्रेमी तथा शोधकर्ता इस दुर्लभ प्रवासी पक्षी को देखने के लिए छारी–ढंढ जरूर आते हैं।

पक्षी निरीक्षक कहते हैं कि ग्रे हाइपोकोलियस अक्टूबर–नवंबर के दौरान फुलाय गांव के झाड़ीदार जंगलों में आते हैं और मार्च या अप्रैल तक यहां रहते हैं। यह पक्षी मुख्यतः साल्वाडोरा पर्सिका के पके हुए बेर (स्थानीय रूप से 'पिलुडी' या 'खारी जार') पर निर्भर रहता है। इसके

अतिरिक्त, यह 'टांकरा' नाम से जाने जाने वाले पौधे के फूलों के बेर भी खाता है।

एक शोध के अनुसार 22 और 23 मार्च, 1960 को कच्छ के बड़े रण में कुआर बेट (टापू) से ग्रे हाइपोकोलियस के दो नमूने एकत्र किए गए थे। इसके बाद 23 जनवरी, 1990 को पक्षीविद् एस. एन. वरु ने बन्नी के घास के मैदानों में स्थित फुलाय गांव में एक मादा ग्रे हाइपोकोलियस को देखा था। उनके इस निरीक्षण को एक महत्वपूर्ण पुनःशोध माना जाता है।

छारी–ढंढ वेटलैंड में ग्रे हाइपोकोलियस को देखने के लिए यह सबसे विश्वसनीय एवं श्रेष्ठ स्थल माना जाता है, जिसके कारण यह स्थल वैश्विक पर्यटकों, पक्षीप्रेमियों तथा वन्यजीव फोटोग्राफरों के लिए मुख्य आकर्षण बन गया है।

इसके अतिरिक्त, व्हाइट–नेप्ड टिट पक्षी को देखने के लिए भी पर्यटक आते हैं। यह पक्षी दुनियाभर में केवल भारत में और सबसे अधिक कच्छ में देखने को मिलता है।

पेगासस जैसे स्पाईवेयर कैसे आप पर रखते हैं हर पल नजर, जिससे आईफोन जैसी सिक्योर डिवाइस बनाने वाली कंपनी भी परेशान?

नई दिल्ली, 22 फरवरी।

दुनिया जैसे–जैसे आधुनिकता की ओर बढ़ती जा रही है. वैसे–वैसे इंसान की निजता यानी प्राइवेसी खतरे में आ रही है. आजकल लोग फोन, कंप्यूटर और अन्य इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस का काफी इस्तेमाल करते हैं. उनकी बहुत सारी जानकारी इन्हीं में मौजूद होती है. फोन और कंप्यूटर की सिक्योरिटी के लिए भी कंपनियां काफी पुख्ता इंतजाम करती हैं. लेकिन फिर भी आजकल ऐसे स्पाइवेयर आ चुके हैं.

जो दूर दराज से ही आपके फोन में घुसकर आपका डाटा चुरा लेते हैं. दुनिया में पिछले कुछ समय से पेगासस नाम के स्पाइवेयर ने कई देशों को चिंता में डाल रखा है. आईफोन को सुरक्षा के लिहाज से सबसे बेहतरीन फोन माना जाता है. लेकिन एक नए स्पाइवेयर ने आईफोन यूजर्स की भी चिंता बढ़ा दी है.

क्षेत्रफल के मामले में इजरायल भारत के मिजोरम राज्य के बराबर है. लेकिन तकनीक के मामले में इजरायल काफी आगे निकल चुका है. इजरायल की साइबर सुरक्षा कंपनी एनएसओ ने पेगासस स्पाइवेयर को बनाया. यह अब तक बनाया गया दुनिया का सबसे खतरनाक स्पाइवेयर है.

फोन चलाने वाले यूजर की बिना परमिशन के ही यह फोन में एक्टिव हो जाता है. इसका नया वर्जन इतना खतरनाक है कि यह मिस कॉल और वीडियो कॉल के जरिए ही फोन में पहुंच जाता है. पेगासस स्पाइवेयर की खास बात यह है कि यह फोन में मौजूद पासवर्ड प्रोटेक्टेड एप्स को भी अपना निशाना बना लेता है.

एक बार अगर यह आपके फोन में पहुंच गया. उसके बाद आप जो भी फोन कॉल करेंगे या मैसेज करेंगे यह उसका डेटा कलेक्ट करके पेगासस ऑपरेटर को भेजता रहता है. इसके साथ ही आपकी व्हाट्सएप टेलीग्राम,

इस्टाग्राम और अन्य ऐप्स का डेटा भी यह कलेक्ट करता है. यह फोन की सिर्फ 5% मेमोरी ही खर्च करता है. जिससे यूजर को फोन में उसके मौजूद होने का एहसास भी नहीं होता.

अपने अंग्रेजी का शब्द मर्सिनरी सुना होगा. हॉलीवुड के मशहूर एक्टर जेसन स्टेथम की एक मशहूर फिल्म की सीरीज का नाम भी मर्सिनरी है. जिसमें वह पैसे लेकर लोगों के लिए दूसरे लोगों मारते हैं. यानी एक तरह से कहें तो किराए के गुंडे का काम करते हैं. यही होता है मर्सिनरी का मतलब. हाल ही में मर्सिनरी स्पाइवेयर को लेकर एप्पल कंपनी ने आईफोन यूजर्स को चेतावनी दी है कि इस स्पाइवेयर से सचेत रहें.

एप्पल ने इस मर्सिनरी स्पाइवेयर को लेकर चेतावनी जारी की. एप्पल कंपनी ने बताया कि यह स्पाइवेयर आईफोन को हैक करने में सक्षम है. बता दें की आईफोन की सिक्योरिटी बाकी अन्य फोन की तुलना में काफी मजबूत होती है.

ऐसे में अगर कोई स्पाइवेयर आईफोन को भी हैक करने का दम रखता है. तो यकीनन वह बेहद खतरनाक होगा. एप्पल कंपनी ने इसके लिए यूजर्स को लॉकडाउन मोड एक्टिवेट करने की सलाह दी है. इस मोड में फोन की अननोन एप्स कम करना बंद कर देती हैं.

कम या ज्यादा नींद दोनों नुकसानदेह! जानिए क्या कहते हैं यूनानी चिकित्सा के सिद्धांत

नई दिल्ली, 22 फरवरी।

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में कोई देर रात तक जाग रहा है तो कोई जरूरत से ज्यादा सो रहा है, लेकिन बहुत कम लोग जानते हैं कि नींद और जागने का सही संतुलन कितना जरूरी है। यूनानी चिकित्सा पद्धति में इसे स्वस्थ जीवन के बुनियादी उसूलों में से एक माना गया है। अगर इसका तालमेल बिगड़ जाए तो शरीर में कई तरह की बीमारियां जन्म लेने लगती हैं।

यूनानी चिकित्सा के अनुसार, नींद केवल आराम का समय नहीं है, बल्कि यह शरीर की मरम्मत का सबसे अहम समय होता है। नींद के दौरान शरीर की अंदरूनी ताकत, जिसे यूनानी में रूह–ए–हयाती कहा जाता है, सुरक्षित रहती है और शरीर के बिगड़े हिस्सों की मरम्मत करती है।

इस समय पाचन शक्ति संतुलित होती है, दिमाग को सुकून मिलता है और शरीर में नई ऊर्जा बनती है। अगर नींद पूरी न हो तो शरीर कमजोर होने लगता है, चिड़चिड़ापन बढ़ जाता है और सोचने–समझने की क्षमता पर भी असर पड़ता है।

दूसरी ओर, जरूरत से ज्यादा जागना भी यूनानी सिद्धांतों में हानिकारक माना गया है। देर रात तक जागने या लगातार काम करते रहने से शरीर में हरारत और युबूसत (सूखापन) बढ़ने लगता है। इसका असर सबसे पहले दिमाग, आंखों और नसों पर पड़ता है। ऐसे लोगों को सिरदर्द, जलन, बेचैनी, मुंह सूखना और थकान जैसी समस्याएं घेर लेती हैं। लंबे समय तक ऐसा रहने पर शरीर की नमी खत्म होने लगती है, जिससे कमजोरी और समय से पहले बुढ़ापा भी आ सकता है।

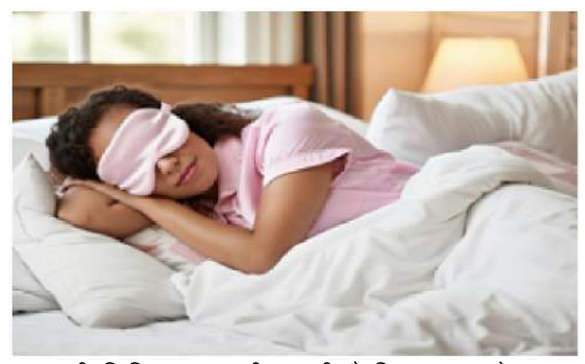

यूनानी चिकित्सा यह भी बताती है कि जरूरत से ज्यादा सोना भी नुकसानदेह हो सकता है। अधिक नींद लेने से शरीर में बुरूदत (ठंडक) और रुतूबत (अत्यधिक नमी) बढ़ जाती है। इसका नतीजा यह होता है कि शरीर की कार्यक्षमता सुस्त पड़ने लगती है, पाचन कमजोर हो जाता है और आलस्य छा जाता है। ज्यादा सोने वाले लोगों में मोटापा, भारीपन, गैस, कफ की शिकायत और काम में मन न लगने जैसी दिक्कतें आम हो जाती हैं।

यूनानी चिकित्सा में सेहतमंद रहने के लिए नींद का समय हर व्यक्ति के मिजाज और उम्र के हिसाब से तय करने की सलाह दी जाती है। बच्चों को ज्यादा नींद की जरूरत होती है, जबकि बुजुर्गों को कम। इसी तरह गर्म मिजाज वाले लोगों को संतुलित और हल्की नींद की जरूरत होती है, जबकि ठंडे मिजाज वालों को ज्यादा सतर्क रहना चाहिए कि वे जरूरत से ज्यादा न सोएं। सबसे अच्छी नींद वही मानी जाती है, जो रात के समय ली जाए और सुबह ताजगी के साथ आंख खुले।